TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

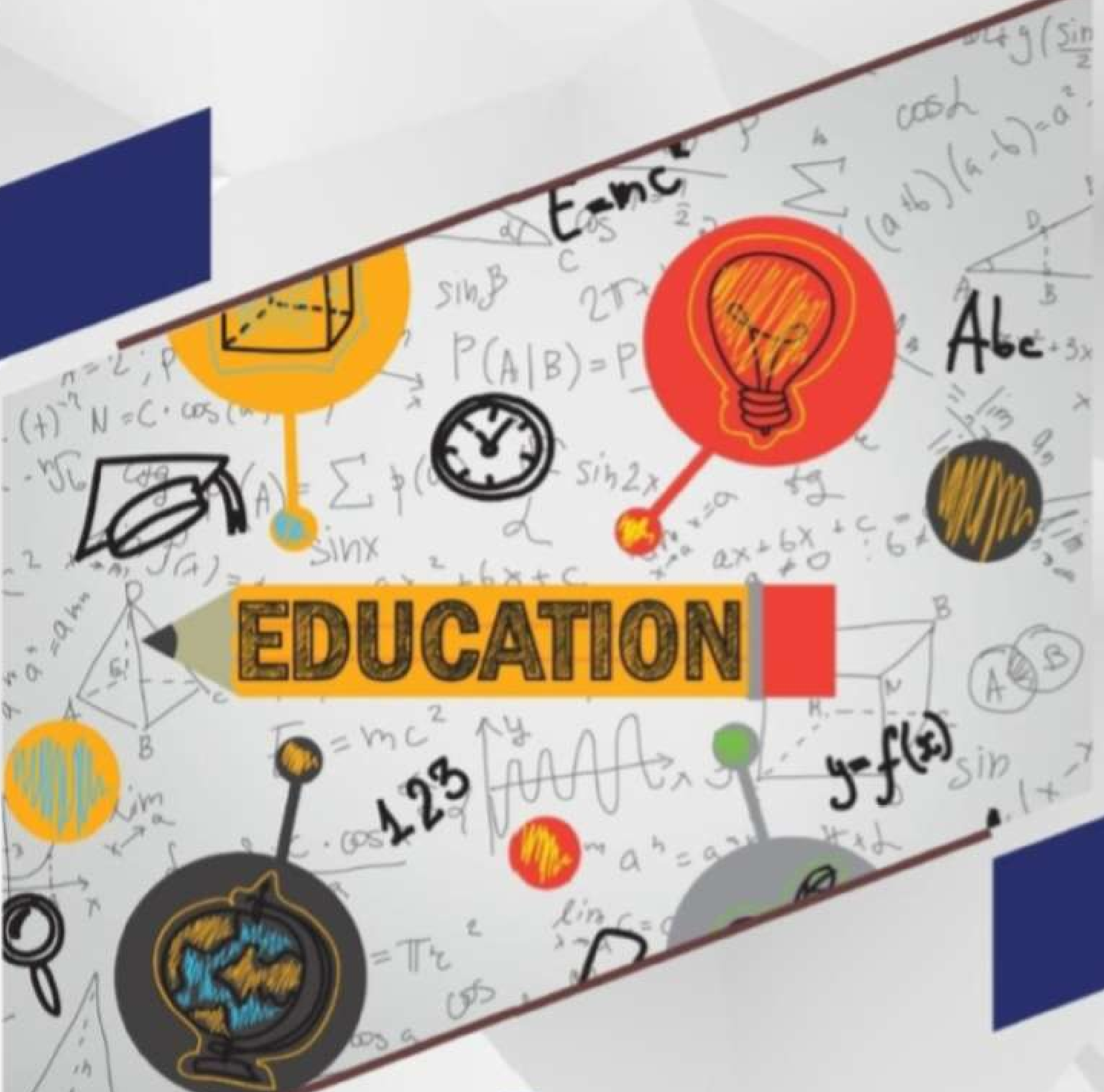

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

04 सितंबर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

गुलाब को उपदेश देने की आवश्यकता नहीं होती वह तो केवल अपनी खुशबु बिखेरता है उसकी खुशबु ही उसका संदेश है ।

महात्मा गाँधी

राकेश कुमार

मधु प्रिया

गूगल की स्थापना 4 सितम्बर

यह कम्पनी स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पी॰एच॰डी॰ के दो छात्र लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन द्वारा स्थापित की गयी थी। इन्हें प्रायः "गूगल गाइस" के नाम से सम्बोधित किया जाता है। सितम्बर 4, 1998 को इसे एक निजी-आयोजित कम्पनी में निगमित किया गया। इसका पहला सार्वजनिक कार्य/सेवा 19 अगस्त 2004 को प्रारम्भ हुआ। इसी दिन लैरी पेज, सर्गेई ब्रिन और एरिक स्मिड्ट ने गूगल में अगले बीस वर्षों (2024) तक एक साथ कार्य करने की रजामंदी की। कम्पनी का शुरूआत से ही "विश्व में ज्ञान को व्यवस्थित तथा सर्वत्र उपलब्ध और लाभप्रद करना" कथित मिशन रहा है। कम्पनी का गैर-कार्यालयीन नारा, जो कि गूगल इन्जीनियर पौल बुखीट ने निकाला था– "डोन्ट बी इवल (बुरा न बनें)"। सन् 2006 से कम्पनी का मुख्यालय माउंटेन व्यू, कैलिफोर्निया में है। गूगल विश्वभर में फैले अपने डाटा-केन्द्रों से दस लाख से ज़्यादा सर्वर चलाता है और दस अरब से ज़्यादा खोज-अनुरोध तथा चौबीस पेटाबाईट उपभोक्ता-सम्बन्धी जानकारी (डाटा) संसाधित करता है। गूगल की सन्युक्ति के पश्चात् इसका विकास काफ़ी तेज़ी से हुआ है, जिसके कारण कम्पनी की मूलभूत सेवा वेब-सर्च-इंजन के अलावा, गूगल ने कई नये उत्पादों का उत्पादन, अधिग्रहण और भागीदारी की है। कम्पनी ऑनलाइन उत्पादक सॉफ्टवेअर, जैसे कि जीमेल ईमेल सेवा और सामाजिक नेटवर्क साधन, ऑर्कुट और हाल ही का, गूगल बज़ प्रदान करती है। गूगल डेस्कटॉप कम्प्यूटर के उत्पादक सॉफ्टवेअर का भी उत्पादन करती है, जैसे– वेब ब्राउज़र गूगल क्रोम, फोटो व्यवस्थापन और सम्पादन सोफ़्ट्वेयर पिकासा और शीघ्र संदेशन ऍप्लिकेशन गूगल टॉक। विशेषतः गूगल, नेक्सस वन तथा मोटोरोला ऍन्ड्रोइड जैसे फोनों में डाले जाने वाले ऑपरेटिंग सिस्टम ऍन्ड्रोइड, साथ-ही-साथ क्रोम ओएस, जो फिलहाल भारी विकास के अन्तर्गत है, पर सीआर-48 के मुख्य ऑपरेटिंग सिस्टम के रूप में प्रसिद्ध है, जो गूगल के विकास में अग्रणी है। एलेक्सा google.com को इंटरनेट की सबसे ज़्यादा दर्शित वेबसाइट बताती है। इसके अलावा गूगल की अन्य वेबसाइटें (google.co.in, google.co.uk, आदि) शीर्ष की सौ वेबासाइटों में आती हैं। यही स्थिति गूगल की साइट यूट्यूब और ब्लॉगर की है। ब्रैंडज़ी के अनुसार गूगल विश्व का सबसे ताकतवर (नामी) ब्राण्ड है। बाज़ार में गूगल की सेवाओं का प्रमुख होने के कारण, गूगल की आलोचना कई समस्याओं, जिनमें व्यक्तिगतता, कॉपीराइट और सरशिप शामिल हैं, से हुई है। गूगल के CEO भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक सुंदर पिचाई हैं।

जयंती विशेष 04 सितंबर

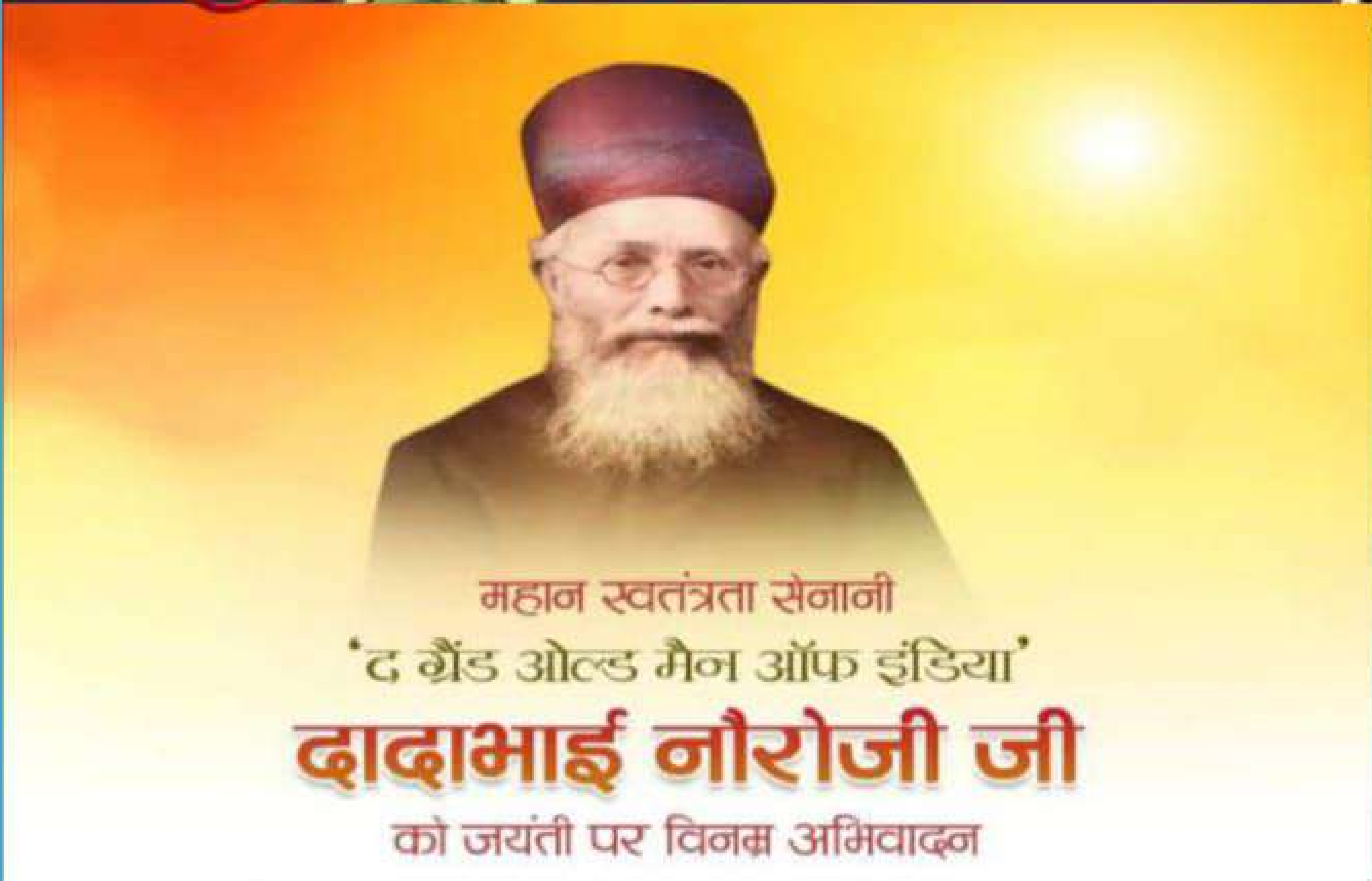

दादा भाई नौरोजी *Dadabhai Naoroji*, जन्म- 4 सितंबर, 1825 ई. मुम्बई; मृत्यु- 30 जून, 1917 ई. मुम्बई) को 'भारतीय राजनीति का पितामह' कहा जाता है। वह दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक भी थे। श्री दादाभाई नौरोजी का शैक्षिक पक्ष अत्यन्त उज्ज्वल रहा। 1845 में एल्फिन्स्टन कॉलेज में गणित के प्राध्यापक हुए। यहाँ के एक अंग्रेज़ी प्राध्यापक ने इन्हें 'भारत की आशा' की संज्ञा दी।

MATH TLM

21 Class-6to8

लधुत्तम समापवर्तक (L.C.M)

लधुत्तम समापवर्तक निकालने की विधि

1.भाग विधि द्वारा ल.स.निकालना

जैसे -12 तथा 16 का ल.स.

2	12 ,16
2	6 , 8
	3 , 4

ल.स. = 2 × 2 × 3 × 4 = 48

Anu Priya, Science Teacher

38 साल के रोहित ने पास किया फिटनेस टेस्ट: यो-यो के साथ ब्रोंको टेस्ट भी हुआ

ब्रोंको टेस्ट क्या है?

ब्रोंको टेस्ट रग्बी खेल से जुड़ा हुआ है। इसमें खिलाड़ी को एक सेट में 20 मीटर अप-डाउन (आना-जाना), फिर 40 मीटर अप-डाउन और फिर 60 मीटर अप-डाउन की स्प्रिंट लगानी होती है। इस तरह एक सेट में 240 मीटर की दौड़ लगानी होती है। पूरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट होते हैं। यानी एक टेस्ट में खिलाड़ी को कुल 1200 मीटर दौड़ना होता है। सभी पांच सेट 6 मिनट के अंदर पूरे करने होते हैं।

यो-यो टेस्ट क्या है?

यो-यो टेस्ट में खिलाड़ी को बार-बार 20-20 मीटर की दौड़ लगानी होती है। हर दौड़ तय समय के अंदर पूरा करना होता है। जैसे-जैसे टेस्ट आगे बढ़ता जाता है दौड़ पूरा करने के लिए समय कम होता जाता है। खिलाड़ी जितनी देर तक इस टेस्ट में टिका रहता है उसे उतना ज्यादा स्कोर मिलता है। BCCI के मुताबिक, हर खिलाड़ी को इस टेस्ट में कम से कम 17.1 या इससे ज्यादा पॉइंट्स हासिल करना जरूरी है।

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 04.09.2025

सकारात्मक स्कूल संस्कृति

सकारात्मक स्कूल संस्कृति एक ऐसा वातावरण है जो समावेशी, छात्र-केंद्रित और सीखने को प्रोत्साहित करने वाला होता है, जहाँ सभी छात्र और शिक्षक सुरक्षित, मूल्यवान और प्रेरित महसूस करते हैं। इस संस्कृति में आपसी सम्मान, सहयोगी रिश्ते, प्रभावी संचार और सीखने व विकास के लिए खुलापन शामिल है। एक सकारात्मक स्कूल संस्कृति छात्रों की शैक्षणिक सफलता, भलाई और जुड़ाव को बढ़ावा देती है, साथ ही शिक्षकों की संतुष्टि और समुदाय के जुड़ाव को भी बढ़ाती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

भारतीय सेना ने जम्मू में **तवी नदी** पर बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए चौथे पुल को सिर्फ **12 घंटे** में बनाकर तैयार कर दिया। यह पुल **110 फुट लंबा** है।

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

अरबी

मुझमें भरपूर मात्रा में फाइबर ,प्रोटीन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, जिंक, फास्फोरस, विटामिन A,C, E, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

Anu priya

Teachers of Bihar
The change makers

English TLM

Homophones

Words that sounds the same but spelled differently and have different meanings

Dear

प्रिय

Deer

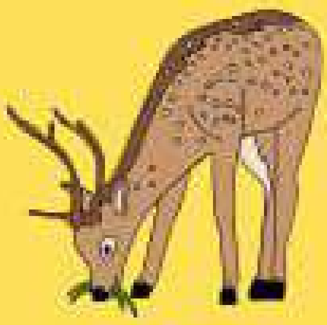

हिरन

www.teachersofbihar.org.in

Anupriya

"

वाटिका और वन में एक नहीं,
आराम और रण एक नहीं
वर्षा, अंधड़,आतप अखंड,
पौरुष के है साधन प्रचण्ड।

रामधारी सिंह दिनकर

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

4 सितंबर
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
गूगल स्थापना दिवस
की समस्त उपभोक्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।
Madhu priya
/teachersofbihar

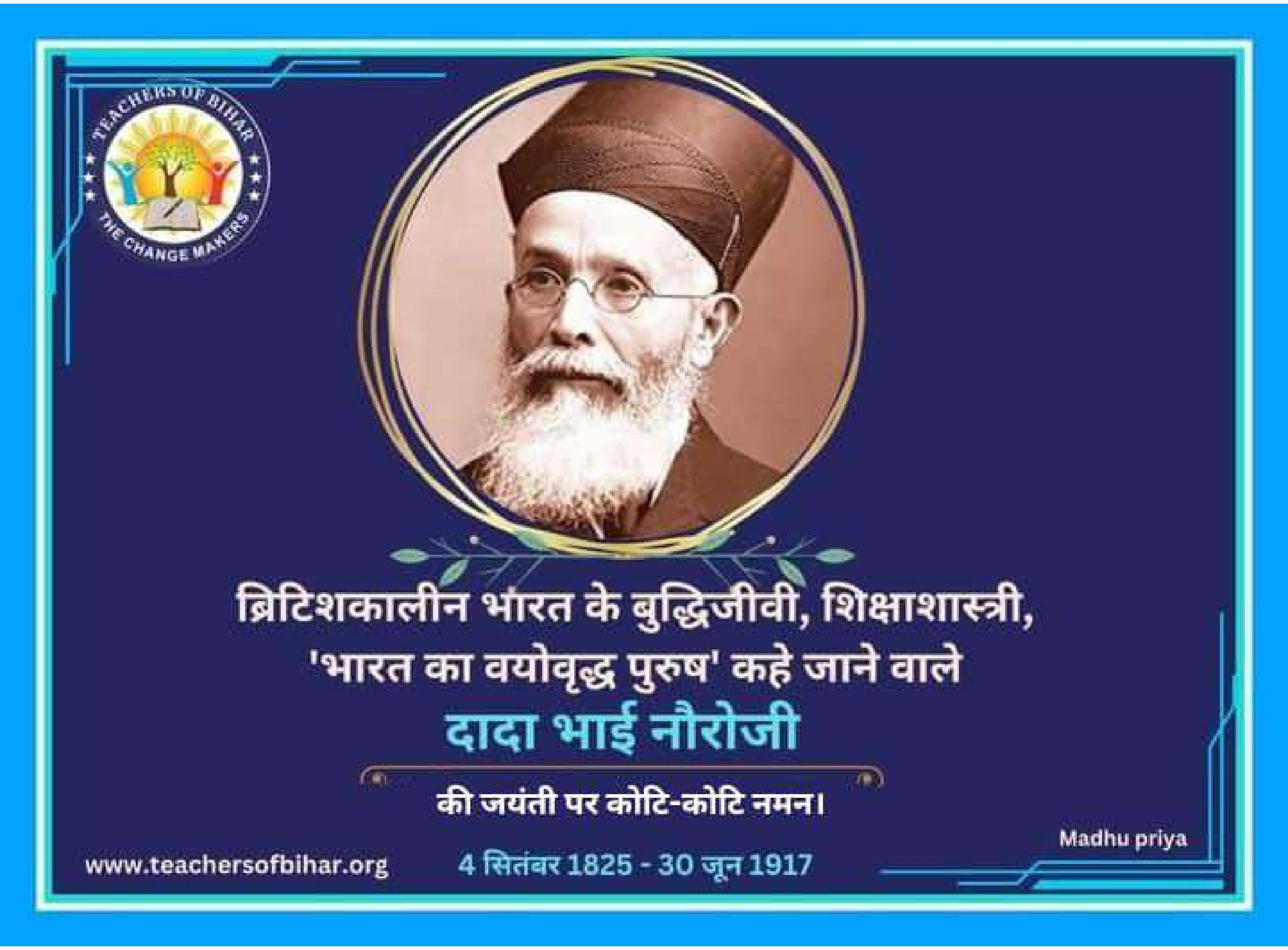
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
ब्रिटिशकालीन भारत के बुद्धिजीवी, शिक्षाशास्त्री,
'भारत का वयोवृद्ध पुरुष' कहे जाने वाले
दादा भाई नौरोजी
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org
4 सितंबर 1825 - 30 जून 1917

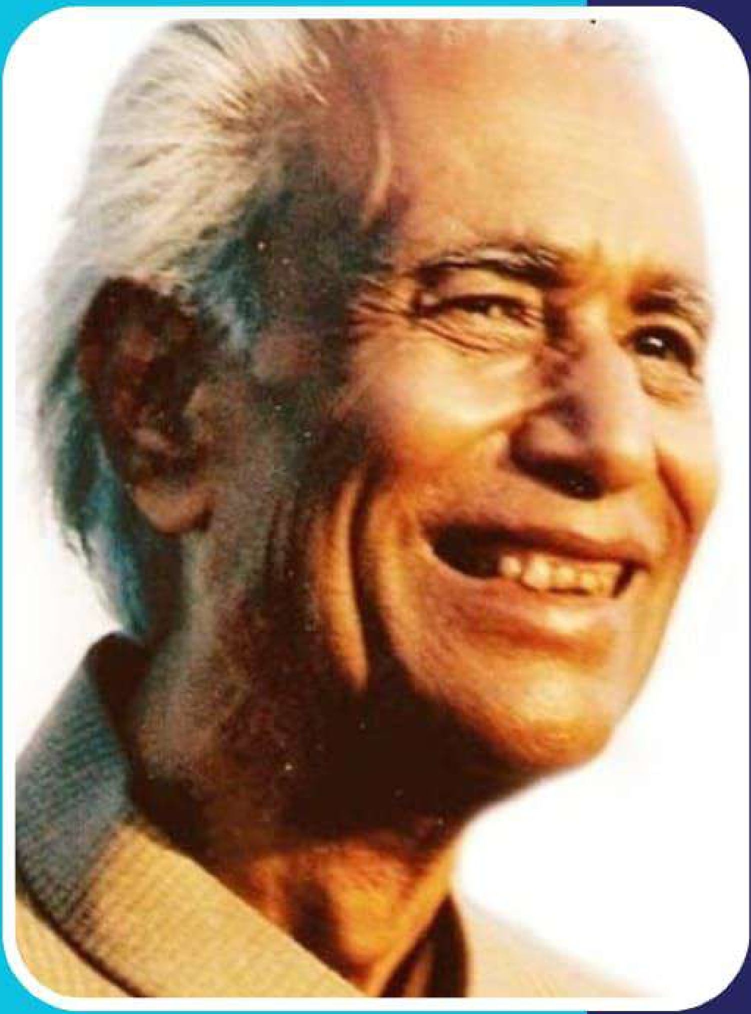

आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक, पद्म श्री सम्मानित

धर्मवीर भारती

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

25 दिसंबर 1926-4 सितंबर 1996

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers
Of
Bihar

व्यक्ति की भाषा ही
उसकी परिभाषा बयां कर देती है

Teachers
Of
Bihar

जिन्हे अपनी वास्तविकता का जान हो
उन्हे ना तो आलोचना द्वारा भटकाया जा
सकता है और ना ही सराहना करके
बहलाया जा सकता है